Code No. **3/1/3**
कोड नं.

Candidates must write the code on the title page of the answer-book.
परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

- Please check that this question paper contains 7 printed pages.
- Code number given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please check that this question paper contains 19 questions.
- **Please write down the serial number of the question before attempting it.**
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 7 हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 19 प्रश्न हैं।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**

HINDI
हिन्दी
(Course A)
(पाठ्यक्रम अ)

Time allowed : 3 hours] *[Maximum Marks : 100*
निर्धारित समय : 3 घण्टे] *[अधिकतम अंक : 100*

खंड — 'क'

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो शब्दों **या** एक-दो वाक्यों में दीजिए :

(क) भारतीय आर्य भाषा-परिवार की किन्हीं दो भाषाओं के नाम लिखिए। 1

(ख) राष्ट्रभाषा से क्या अभिप्राय है ? 1

(ग) पूर्वी हिन्दी की किन्हीं दो बोलियों के नाम लिखिए। 1

(घ) प्रयोजनमूलक हिन्दी के किन्हीं दो प्रकारों के नाम लिखिए। 1

2. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

(क) आशुतोष ने हमें पढ़ाया था। (रेखांकित पदों का परिचय दीजिए) 2

(ख) कल से .... वर्षा हो रही है।
(क्रियाविशेषण के द्वारा वाक्य पूरा कीजिए) 1

(ग) आपने किराया क्यों नहीं दिया ? (क्रिया का भेद लिखिए) 1

(घ) शब्द पद कब कहा जाता है ? 1

3. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

(क) घंटी बजी। छात्र-छात्राएँ मैदान में आए। कुछ ही देर में प्रार्थना-सभा आरम्भ हो गई। 1
(उपर्युक्त वाक्यों का संश्लेषण करते हुए एक सरल वाक्य बनाइए)

(ख) संभव है बादल फट जाएँ। (अर्थ की दृष्टि से वाक्य-भेद लिखिए) 1

(ग) जो भाषण दे रहा था, वह मेरा मित्र है। (मुख्य उपवाक्य बताइए) 1

(घ) सभी लोगों ने वह सुन्दर दृश्य देखा। (उद्देश्य और विधेय अलग-अलग करके लिखिए) 1

4. (क) उपमा **अथवा** अतिशयोक्ति अलंकार का कोई एक उदाहरण दीजिए। 1

(ख) निम्नलिखित पंक्तियों के रेखांकित अंशों में प्रयुक्त अलंकारों के नाम लिखिए :

(i) कुटिल, कुचाल, कुकर्म छोड़ दे। 1

(ii) जसुमति-उदर-अगाध उदधि तैं, उपजी ऐसी सबनि कही री ! 1

(iii) जो नत हुआ, वह मृत हुआ ज्यों वृंत से झरकर कुसुम। 1

खंड — 'ख'

5. दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर किसी **एक** विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए : 8

(क) मेरी सर्वाधिक प्रिय ऋतु :

(i) भारत षट् ऋतुओं का देश, उनका निराला सौंदर्य

(ii) मेरी सर्वाधिक प्रिय ऋतु है .....

(iii) सबसे प्रिय होने के कारण

(iv) इस ऋतु के विविध पक्षों का सौंदर्य-वर्णन

(v) इस ऋतु की विशेष कठिनाइयाँ

(ख) भारत जैसा देश कहाँ है !

(i) भौगोलिक सौंदर्य,

(ii) सभ्यता और संस्कृति

(iii) विभिन्न प्रकार के लोग — रीति-रिवाज़, भाषा-बोली, पर्व-त्योहार

(iv) राष्ट्रीय एकता और समन्वय की भावना

(v) भारत की उपलब्धियाँ

(ग) <u>सत्संगति सब विधि हितकारी</u>

(i) सत्संगति का अभिप्राय

(ii) सुसंगति और कुसंगति के अच्छे-बुरे परिणाम

(iii) सत्संगति हितकारी कैसे ?

(iv) सुसंगति की प्राप्ति और कुसंगति को छोड़ने के उपाय

(v) सुसंगति सब सुखों का मूल

6. ग्रीष्मावकाश में आपके पर्वतीय मित्र ने आपको आमंत्रित कर अनेक दर्शनीय स्थलों की सैर कराई। इसके लिए उसका आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद-पत्र लिखिए। 4

अथवा

बनाव-शृंगार में अधिक समय नष्ट न करने की सलाह देते हुए बड़ी बहन की ओर से छोटी बहन को एक पत्र लिखिए।

7. निम्नलिखित गद्यांश का सार लगभग एक-तिहाई शब्दों में लिखिए : 3

जीवन का उद्देश्य आनंद की प्राप्ति है। किसी को वह आनंद अपने भरे-पूरे परिवार में, किसी को लंबे-चौड़े भवन में और किसी को नृत्य-संगीत में; किन्तु लोक-सेवा और परोपकार से मिलने वाला आनंद अन्य सब प्रकार के आनंद से भिन्न और अदभुत है। वह कुछ पाने से नहीं, कुछ देने से मिलता है। किसी बूढ़े अपंग या अंधे को सड़क पार कराकर जो सुख और आनंद मिलता है, वह अच्छा-स्वादिष्ट भोजन करके या परीक्षा में कुछ अधिक अंक पाकर नहीं मिलता। किसी भूखे को भोजन कराकर अथवा किसी दुर्घटनाग्रस्त को अस्पताल पहुँचाकर जो सुख और आनंद मिलता है, वही परमानंद है, वही परम सुख है। वैसा सुख न अच्छे-से-अच्छे वस्त्र पहनकर मिलता है और न अच्छी-से-अच्छी सवारी में यात्रा करने से ही। परोपकार से मिलने वाला आनंद तन का सुख न होकर मन का है, इसीलिए वह निराला है।

खंड — 'ग'

8. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

सही समय पर सही चुनाव न करने वाला व्यक्ति जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में बुरी तरह असफल हो जाता है। जीवन का सफल कलाकार वह है जो अपने हर काम में सावधानीपूर्वक चुनाव करता है। चुनाव में सावधानी न बरतने वाला और बिना सोचे-समझे गलत चुनाव कर लेने वाला व्यक्ति लाख प्रयत्न करने पर भी अपने जीवन को उचित और सफल मोड़ नहीं दे पाता। जो व्यक्ति अपने

खाने-पीने, खेलने-कूदने, पढ़ने-लिखने और मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रमों में चुनाव करते समय सावधानी नहीं बरतता, उसकी दशा उस पेटू जैसी हो जाती है जो अनाप-शनाप, जो भी सामने आता है, खाए जाता है और अपना स्वास्थ्य चौपट कर बैठता है। होना यह चाहिए कि हम सोच-समझकर तय करें कि हमें किस समय उठना है और किस समय सोना है। हमें क्या, कितना और कब खाना है तथा कब, क्या और किस तरह पहनना है। हमें किन लोगों को मित्र बनाना है और किनसे थोड़ी दूरी बनाए रखनी है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए। 1

(ii) कैसे लोग जीवन को सफल नहीं बना पाते और क्यों ? 1

(iii) ठीक चुनाव न करने वाले व्यक्ति की तुलना पेटू व्यक्ति से क्यों की गई है ? 1

(iv) ठीक दिनचर्या के लिए क्या-क्या सावधानियाँ आवश्यक हैं ? 1

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए :

और पैरों के तले है एक पोखर
उठ रहीं इसमें लहरियाँ,
नील तल में जो उगी है घास भूरी
ले रही वह भी लहरियाँ।
एक चाँदी का बड़ा-सा गोल खंभा,
आँख को है चकमकाता।
हैं कई पत्थर किनारे
पी रहे चुपचाप पानी
प्यास जाने कब बुझेगी !
चुप खड़ा बगुला डुबाए टाँग जल में,
देखते ही मीन चंचल —
ध्यान निद्रा त्यागता है
चट दबाकर चोंच में
नीचे गले के डालता है।

(i) पोखर की घास लहराती हुई क्यों प्रतीत हो रही है ? 1

(ii) कवि को चाँद का प्रतिबिंब कैसा लग रहा है ? 1

(iii) कवि के अनुसार किसकी प्यास नहीं बुझ पा रही है और क्यों ? 1

(iv) इस कविता में कितने दृश्य-खंड हैं ? सबसे सुंदर दृश्य-खंड आपको कौन सा लगा और क्यों ? 1

खंड — 'घ'

10. निम्नलिखित गद्यांशों के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) दलबंदी का भाव प्रतिभा के प्रतिकूल है। एक सच्चा साहित्यिक या कवि अपनी प्रकृति के अनुसार ही दलबंदी से पृथक् रहता है। समाज में जैसे लोग पहले थे, अब भी हैं। प्रतिभा और नवीनता का उसी प्रकार विरोध हो रहा है। यथार्थ साहित्य-निर्माता आज भी उसी प्रकार अपमान का भार रखे झुके हुए चुपचाप सरस्वती के इंगित पर चले जा रहे हैं। कोई साथ नहीं। दूसरी ओर दल के अयोग्य व्यक्ति-विशेष की पुनः-पुनः होती प्रशंसा लोकमत संग्रह कर रही है।

(i) दलबंदी का भाव प्रतिभा के प्रतिकूल क्यों है ? 2

(ii) सच्चे साहित्यकारों के साथ कैसा व्यवहार हो रहा है और किस प्रकार के लोग साहित्य में प्रतिष्ठा प्राप्त कर रहे हैं ? 2

(ख) सात लाख गाँवों का नव-निर्माण ! हज़ारों शहरों और कारखानों का नव-निर्माण ! कोई शासक इसे संभव नहीं कर सकता। ज़रूरत है ऐसे नौजवानों की, जो इस काम में अपने को चुपचाप खपा दें। जो एक नई प्रेरणा से अनुप्राणित हों, एक नई चेतना से अभिभूत, जो शाबाशियों से दूर हों, दलबंदियों से अलग।

(i) देश का नव-निर्माण केवल शासन द्वारा ही संभव क्यों नहीं है ? 2

(ii) कैसे लोग देश का निर्माण कर सकते हैं ? 2

11. (क) 'डायरी के पृष्ठों से' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि लेखक मास्टरजी की किन बातों से दंग रह गया और क्यों ? 3

(ख) 'महामानव निराला' पाठ के आधार पर कवि निराला की रचना-प्रक्रिया का वर्णन कीजिए। 3

12. (क) 'मैं और मेरा देश' पाठ के आधार पर बताइए कि शक्तिबोध और सौंदर्यबोध से क्या आशय है ? हमारे देश को इन दोनों की सबसे पहले और सबसे ज़्यादा ज़रूरत क्यों है ? 3

(ख) तिलोनिया में पुतलियों का तमाशा सामाजिक जागृति के लिए किस प्रकार एक सशक्त मंच प्रदान करता है ? — 'राजस्थान के एक गाँव की तीर्थ-यात्रा' पाठ के आधार पर लिखिए। 3

13. (क) ''जिसने दूसरों के सुख में विभोर होना सीख लिया, वह कभी जड़ता को प्राप्त नहीं हो सकता।'' — 'ठूँठा आम' पाठ के आधार पर इस कथन की पुष्टि कीजिए। 3

(ख) नींव की ईंट को समाज के अनाम शहीदों का बलिदान कैसे कहा जा सकता है ? 2

14. निम्नलिखित काव्याशों के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) अस कछु समुझि परत रघुराया।
बिनु तव कृपा दयालु ! दास-हित ! मोह न छूटै माया।।
वाक्य-ग्यान अत्यंत निपुन भव-पार न पावै कोई।
निसि गृह-मध्य दीप की बातन्ह, तम निवृत्त नहिं होई।।

(i) जीवन के विविध अनुभवों से गुज़र कर कवि को क्या बात समझ में आने लगी है ? 2

(ii) 'वाक्य-ग्यान' और 'दीप की बातन्ह' से क्या तात्पर्य है ? दोनों को कवि ने किस स्थिति में व्यर्थ कहा है ? 2

(ख) बादल का क्या दोष
फोड़ यदि सका न यह चट्टान तू ?
पानी तो पानी है, मत कर
यों अपना अपमान तू !
कल्प-कल्प का धैर्य जुटे जब, बनता तभी प्रपात है !
सह ले पगले ! चुप हो सह ले, आया जो आघात है !

(i) 'पानी तो पानी है' कथन का भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए। 2

(ii) जीवन में सफलता पाने के लिए किस गुण की सर्वाधिक आवश्यकता है ? 2

15. निम्नलिखित काव्यांश का भाव-सौंदर्य तथा शिल्प-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए : 4+4=8

तो पर वारौं उरबसी, सुनि, राधिके सुजान।
तू मोहन कैं उर बसी, ह्वै उरबसी-समान।।

अथवा

सरित तड़ित-गति चकित पवन में
मन में, विजन-गहन-कानन में,
आनन-आनन में, रव-घोर-कठोर
राग-अमर ! अंबर में भर निज रोर।

16. (क) मिट्टी और मनुष्य में आप किसकी भूमिका को अधिक महत्त्वपूर्ण मानते हैं और क्यों? 'मृत्तिका' कविता के आधार पर बताइये। 3

अथवा

'परशुराम की प्रतीक्षा' के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि विजयी के समान जीने के लिए कवि ने भारतीय युवाओं से क्या अपेक्षाएँ की हैं ?

(ख) 'यह जो मिट्टी फोड़ता है
मड़िया में रहता और महलों को बनाता है ....'
उपर्युक्त कथन के संदर्भ में मज़दूर वर्ग के जीवन की विडम्बनाओं का चित्रण अपने शब्दों में कीजिए। 3

अथवा

'भिक्षुक' कविता से प्रेरणा ग्रहण करते हुए किसी वृद्ध महिला की दयनीय दशा का चित्रण अपने शब्दों में कीजिए ?

17. सूरदास **अथवा** भगवतशरण उपाध्याय के जीवन एवं साहित्यिक विशेषताओं पर संक्षेप में प्रकाश डालते हुए उनकी किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए। 3

18. 'मधु संचय –भाग-2' के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : 2+2+2=6

(क) 'काश, मैं मोटरसाइकिल होता' पाठ में बीमा अधिकारियों पर क्या व्यंग्य किया गया है ?

(ख) सुभाषचंद्र बोस के अनुसार लोकमान्य तिलक की कौन सी अमूल्य भेंट उन्हें विश्व के महापुरुषों के समकक्ष बनाती है ?

(ग) 'समानान्तर सरल रेखाएँ' में लेखक ने नारायण बाबू और उनके पुत्र को 'समानान्तर सरल रेखाएँ' क्यों कहा है ?

(घ) 'मुग़लों ने सल्तनत बख्श दी' कहानी के अनुसार अंग्रेजों को कलकत्ता में तम्बू लगाने की अनुमति बादशाह शाहजहाँ ने क्यों दी ?

19. 'ऋणशोध' कहानी के आधार पर सुजीत और विकास के चरित्र की तुलना कीजिए। 4